बिज़नेस स्टैंडर्ड
Business Standard Ltd. Copyright & Disclaimer feedback@business-standard.com
Sat, 26 Aug-17; Business Standard - Hindi - Delhi; Size : 191 sq.cm.;
Circulation:-; Page : 3

# रिलायंस एमएफ के आईपीओ से उद्योग में बढ़ेगा एकीकरण!

**बीएस संवाददाता**
मुंबई, 25 अगस्त

**रिलायंस निप्पॉन** लाइफ ऐसेट मैनेजमेंट (आरएनएएम) के प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम से 20 लाख करोड़ रुपये वाले म्युचुअल फंड उद्योग में और एकीकरण देखने को मिल सकता है। इस वित्त वर्ष के आखिर से पहले पेश होने वाला इस आईपीओ के जरिए 700 करोड़ रुपये से ज्यादा की नई पूंजी जुटाई जाएगी, जिसके एक हिस्से का इस्तेमाल विलय-अधिग्रहण के जरिए बढ़त हासिल करने पर किया जाएगा।

कंपनी ने बाजार नियामक सेबी के पास 18 अगस्त को जमा कराए गए डीआरएचपी में कहा है कि इश्यू से मिलने वाली कुल रकम में से आरएनएएम (जो रिलायंस म्युचुअल फंड की संपत्ति प्रबंधक है) ने 165 करोड़ रुपये विलय-अधिग्रहण के जरिए बढ़त हासिल करने व रणनीतिक पहल के लिए अलग की है।

संपत्ति प्रबंधक ने संभावित अधिग्रहण के लिए तीन साल की समयसीमा तय की है।

कंपनी ने पेशकश दस्तावेज में कहा है, मौजूदा कारोबारों में अपनी बाजार स्थिति के एकीकरण, मजबूती व अपने पोर्टफोलियो में विस्तार, शाखाओं के नेटवर्क का विस्तार की खातिर हम विलय-अधिग्रहण के जरिए बढ़त व रणनीतिक पहल के लिए चुनिंदा लक्ष्यों व साझेदारों का आकलन जारी रखे हुए हैं।

उद्योग में मौजूद कंपनियों का कहना है कि आरएनएएम ने जितनी रकम रखी है उसमें वह सिर्फ छोटे व मध्यम आकार वाले फंड हाउस का ही अधिग्रहण कर पाएगी।

उद्योग की एक कंपनी ने कहा, मोटे तौर पर किसी फंड हाउस का मूल्यांकन इसकी

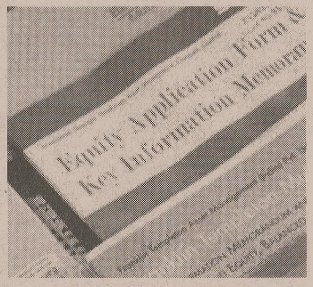


इक्विटी संपत्तियों का करीब पांच फीसदी और ऋण परिसंपत्तियों का दो फीसदी होता है। कंपनी ने जितनी रकम रखी है वह बहुत आक्रामक नहीं नजर आ रही है। हालांकि वह आंतरिक तौर पर कुछ और रकम जोड़ सकती है क्योंकि फंड हाउस लाभ में है।

उत्साहजनक बढ़त के बावजूद देसी म्युचुअल फंड उद्योग ने पिछले कुछ सालों में करीब आधे दर्जन विलय व अधिग्रहण का सामना किया है। ज्यादातर विलय-अधिग्रहण में विदेशी कंपनियों के बाहर निकलने का ट्रेंड देखा गया। आरएनएएम ने भी गोल्डमैन सैक्स एमएफ की परिसंपत्तियों का अधिग्रहण अक्टूबर 2015 में 250 करोड़ रुपये में किया था।

अधिकारी ने कहा, अपनी मौजूदगी बढ़ाने के लिए बड़ी कंपनियां छोटी कंपनियों को जोड़ सकती हैं। उद्योग की कंपनियों का कहना है, चूंकि म्युचुअल फंड की बढ़त की रफ्तार ठीक-ठाक है, लिहाजा 40 कंपनियों वाले इस उद्योग में और एकीकरण देखने को मिल सकता है।

आरएएनएएम की योजना अपनी सहायक रिलायंस एआईएफ में कर्ज के जरिए 125 करोड़ रुपये के निवेश की है।